

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₹``

सं० 46]

नई दिल्ली, शनिवार, 15 नवम्बर, 1975 (कार्तिक 24, 1897)

No. 46]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 15, 1975 (KARTIKA 24, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के स्रसाधारण राजपत्न 1 स्रवत्वर 1975 तक प्रकाणित किए गए हैं— The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 1st October 1975:—

अंक संख्या और तिथि द्वारा जारी किया गमा विषय Issue No. No. and Date Issued by Subject

> —- शून्य— —NIL—

उत्तर लिखे असाधारण राजपत्नों की प्रतियां, प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाईन्स, दिल्ली के नाम मौग-पत्र भेजने पर केज दी जाएंगी। मांग-पत्र नियंत्रक के पास इस राजपत्नों के जारी होने की तिथि से इस दिन के मीतर पहुंच जाने चाहिएं।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these Gazettes.

321GI/75

	विष य-सू ष	थी	
भाग I—खंड 1— (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों स्रोर उच्चतम	पृष्ठ	जारो किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के द्रादेश, उप-नियम	पुष्ठ
न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा ग्रादेशों श्रीर संकल्पों से सम्बन्धित ग्रधिसूचनाएं	799	ग्रादि सम्मिलित हैं) भाग II—-खंड 3उपखंड (ii)——(रक्षा मंत्रा- लय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों	3137
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों भ्रौर उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी श्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों		भ्रौर (संव-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के श्रन्तर्गत बनाए भ्रौर जारी किए गए ग्रादेश भ्रौर प्रधिसूचनाएं	3955
भ्रादि से सम्बन्धित श्रिधसूचनाएं भाग I—ाखंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की	1733	भाग II—-खंड 4—-रक्षा मंत्रालय इ ारा श्रधि- सूचित विधिक नियम श्रौर श्रादेश	489
गई विधितर नियमों, विनियमों, श्रादेशों श्रीर संकल्पों से सम्बन्धित श्रिधसूचनाएं .	103	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक- सेवा श्रायोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों श्रीर भारत सरकार के श्रधीन तथा संलग्न	400
भाग I——खंड 4——रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई श्रकसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों,		कार्यालयों द्वारा जारी की गई श्रधिसूचनाएं	9597
छुट्टियों स्रादि से सम्बन्धित प्रधिसूचनाएं . भाग IIखंड 1ग्रिधिनियम, श्रष्टयादेश ग्रौर	1437	भाग III—खंड 2—एकस्य कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई श्रधिसूचनाएं श्रौर नोटिस	767
विनियम भाग II—खंड 2—विधेयक ग्रौर विधेयकों संबंधी		भाग III—खंड 3—सुख्य म्रायुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई म्रधिसूचनाएं	
प्रवर समितियों की रिपोर्ट . भाग II—खंड 3—-उपखंड(i)—(रक्षा मंत्रालय		भाग III— खंड 4— विधिक निकायों द्वारा जारी को गई विधिक श्रधिसूचनाएं जिनमें श्रधि- सूचनाएं, श्रादेश, विज्ञापन श्रौर नोटिस	
को छोड़कर) भारत सरकार के मंता- लयों ग्रीर (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी		शामिल हैं	1985
किए गए विधि के श्रन्तर्गत बनाए धौर		सरकारी संस्थाग्रों के विज्ञापन तथा नोटिस	20 1
	CONTI	ENTS	
PART I—Section 1.—Notifications relating to Non- Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the	Page	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	PAGE 3137
Ministry of Defence) and by the Supreme Court PART I—Section 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Minis-	. 799	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	3955
trics of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1733	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	4 8 9
PART I—Section 3.—Notifications relating to Non- Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions is sued by the Ministry of Defence	103	Part III—Section 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Officers of the Government of India	9597
PART I-Section 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	1437	PART III—Section 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	767
PART II-SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	_	Part III—Section 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners.	
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	-	PART III—Section 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1985
tutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	201

भाग 1--खंड 1

PART I--SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम ग्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकर्त्यों से सम्बन्धित अधिमुचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

विधि, न्याय श्रोर कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी विधि बोर्ड नई दिल्ली-1, दिनांक 18 श्रक्तुबर 1975

ग्रादेश

सं० 7(11)-75-सी०एल०-1[—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 (1956 का I) की धारा 209 क के खण्ड (1) के उपखण्ड (2) के श्रनुसरण में, कम्पनी विधि बोई, एतद्द्वारा, कम्पनी कार्य विभाग में भारत सरकार के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को कथित धारा 209क के उद्देश्यों के लिए प्राधिकृत करता हैं:—

- श्री एस० एस० सेठ, निरीक्षण ग्रधिकारी, कम्पनी विधि, बोई, कानपुर
- श्रो सी० ग्रार० मेहता, उप-निदेशक, निरीक्षण, कम्पनी विधि बोर्ड, नई दिल्ली ।
- 2. कम्पनी विधि बोर्ड, एतद्द्वारा, श्री एस० एस० सेठ के पक्ष में पहिले जारी किये विधि मंत्रायलय, कम्पनी कार्य विभाग के ग्रादेश संख्या 51/1/65-सी० एल० 2, दिनांक 7 फरवरी, 1966 तथा दिनांक 7 मार्च, 1967 के श्रादेश संख्या 51/1/65-सी० एल० 2 द्वारा यथा संशोधित प्राधिकरण को रह करता है।
- 3. कम्पनी विधि बोर्ड, ग्रौद्योगिक विकास, ग्रान्तरिक व्यापार ग्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय, कम्पनी कार्य विभाग के दिनांक 25 फरवरी, 1970 के ग्रादेश संख्या 53/1/70-सी० एल०- II द्वारा श्री सी० ग्रार० मेहता के पक्ष में पहिले जारी किये गये प्राधिकरण को रद्द करता है।

टी० एस० श्रीनिवासन, संयुक्त निदेशक, निरीक्षण एवं **पबेन** उप सचिव, कम्पनी विधि बोर्ड

सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर 1975

संकल्प

सं० 6/10/75-एफ(पी)—भारत सरकार के सूचना ग्रौर प्रसारण मन्त्रालय के संकल्प संख्या 1/29/58-एफ (पी) दिनांक 5 फरवरी, 1959 का श्रिधिक्रमण करते हुए, चलचित्र श्रिधिनयम,

1952 (1952 का 37) की धारा 12 की उपधारा (4) के श्रन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा तदनुरूपी राज्य कानूनों के श्रन्तर्गत विभिन्न राज्य सरकारो द्वारा जारी किए गए निदेशों के श्रन्तर्गत विभिन्न राज्य सरकारो द्वारा जारी किए गए निदेशों के श्रनुसार फिल्मों को वैज्ञानिक फिल्मों, शिक्षा संबंधी फिल्मों, समाचार तथा सामयिक घटनाथ्रों की फिल्मों, डाकुर्मैन्टरी फिल्मों या देशी फिल्मों के रूप में स्वीकृत करने के प्रयोजन हेतु बम्बई, कलकत्ता तथा मद्रास के फिल्म सलाहकार बोर्डों के कार्य संवालन के संबंध में निम्नलिखित नियम श्रिधसूचित किए जाते हैं। ये नियम तल्काल प्रवृत्त होंगे।

नियम

- 1. तीन फिल्म सलाहकार बोर्ड होंगे प्रथात् बम्बई, कलकत्ता धीर मद्रास में एक-एक । प्रत्येक फिल्म सलाहकार बोर्ड का कार्य चलचित्र प्रधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 12 की उपधारा (4) के प्रन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा तदनुरूपी राज्य नियमों के प्रन्तर्गत राज्य सरकारों द्वारा जारी किए गए निदेशों के प्रनुसार वैज्ञानिक फिल्मों, शिक्षा संबंधी फिल्मों, समाचार प्रौर सामयिक घटनाम्रों की फिल्मों, डाक्यूमेंटरी फिल्मों या देशी फिल्मों के रूप में स्वीकृत करने के लिए फिल्मों की उपयुक्तता के बारे में केन्द्रीय सरकार को सिफारिशों करना होगा।
- 2. प्रत्येक बोर्ड में कम से कम सात सदस्य निम्नानुसार होंगे:--
 - (क) जब तक चलचित्र (संगोधन) ग्रिधिनियम, 1974 प्रवृत्त नहीं होता तब तक फिल्म सेंसर बोर्ड का ग्रध्यक्ष या उनके द्वारा नामित फिल्म सेंसर बोर्ड का कोई सदस्य बोर्ड का ग्रध्यक्ष होगा। श्रिधिनियम के प्रवृत्त होने के बाद, फिल्म सेंसर बोर्ड के ग्रध्यक्ष द्वारा नामित फिल्म सेंसर बोर्ड का कोई पूर्णकालिक सदस्य बोर्ड का ग्रध्यक्ष होगा।
 - (ख) जब तक चलचित्र (संगोधन) ग्रिधिनियम, 1974 लागू नहीं होता तब तक प्रत्येक केन्द्र पर फिल्म सेंसर बोर्ड का प्रादेणिक श्रिधिकारी ग्रौर फिल्म सेंसर बोर्ड के सलाहकार पैनल का एक सदस्य ग्रिधिनियम के प्रवृत्त होने के बाद, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित फिल्म सेंसर बोर्ड के दो श्रसैंसर होंगे।

(ग) केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित कम से कम चार श्रौर सदस्य जिनमें फिल्मों की श्रौर फिल्म निर्माण की जानकारी रखने वाला कम से कम एक व्यक्ति श्रौर एक शिक्षा शास्त्री भी होंगे।

प्रत्येक केन्द्र पर फिल्म सेंसर बोर्ड का प्रादेशिक श्रिध-कारी बोर्ड का सिचव होगा। स्पष्टीकरण:-

प्रादेशिक ग्रधिकारी की ग्रनुपस्थिति में केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड का श्रपर प्रादेशिक ग्रधिकारी या सहायक प्रादेशिक ग्रधिकारी बोर्ड के सचिव के रूप में काम करेगा।

- पदेन सदस्यों को छोड़ कर अन्य सदस्यों का कार्य काल दो वर्ष होगा।
- 4. नियम 3 में किसी बात के होते हुए भी, केन्द्रीय सरकार किसी भी समय बोर्ड के किसी भी सदस्य की सदस्यता को उस नियम में निर्दिष्ट ग्रवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त कर सकती है।
- 5. बोर्ड के गैर सरकारी सदस्यों को बोर्ड की बैठकों में भाग लेने के लिए उतना याद्रा भत्ता दिया जा सकता है जितना केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्धारित करे।
- 6. बोर्ड के किसी काम या कार्यवाही पर बोर्ड में कोई रिक्ति होने या उसके गठन में कोई तुटि होने के ग्राधार पर ग्रापत्ति नहीं की जायेगी।
- 7. बोर्ड की बैठकों की ग्रध्यक्षता श्रध्यक्ष द्वारा श्रौर उसकी श्रनुपस्थिति में उपस्थित सदस्यों द्वारा श्रथने मे से चुने गए सदस्य द्वारा की जायेगी।
- 8. बोर्ड का कोरम तीन होगा।
- बोर्ड की बैठक ग्रामतौर पर सप्ताह में एक बार होगी, परन्तु अध्यक्ष जब भी आवश्यक समझेंगे बोर्ड की बैठक बुला सकेंगे।
- 10. कोई भी व्यक्ति जो यह चाहे कि बोर्ड नियम-1 में विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किसी फिल्म की उपयुक्तता पर विचार करें, बोर्ड के सचिव को लिखित मे एक ग्रावेदन पत्न भेजेगा जिसमें फिल्म का नाम, उसकी लम्बाई, निर्माता का नाम ग्रौर ऐसा अन्य व्यौरा देगा जिसकी बोर्ड को श्रावण्यकता हो।

इन नियमों के प्रयोजन के लिए 35 मि० मी० में 608 मीटर से अधिक लम्बाई की फिल्मों पर बोर्ड द्वारा विचार नहीं किया जायेगा।

11. बोर्ड द्वारा फिल्म की जांच करने के बाद, उपस्थित प्रत्येक सदस्य की यह राय लिखी जायेगी कि:---

- (क) फिल्म, वैज्ञानिक फिल्म, शिक्षा संबंधी फिल्म, समाचार तथा सामयिक घटनाम्रों की फिल्म, डाकुमेंटरी फिल्म या देशी फिल्म के रूप में स्वीकृत करने के लिए उपयुक्त है; या
- (ख) फिल्म उसमें विनिर्विष्ट काट-छांट या उपान्तरण करने पर किसी विणिष्ट श्रेणी म स्वीकृत करने के लिए उपयुक्त समझी जाएगी; या
- (ग) फिल्म उक्त किसी भी श्रेणी में स्वीकृत करने के लिए उपयुक्त नहीं है।
- 12. बोर्ड की राय बैठक म उपस्थित सदस्यों के बहुमत श्रीर बराबर मत होने की दशा में पीठासीन श्रधि-कारी की राय के श्रनुसार होगी।
- 13(क) यदि बोर्ड की राय यह हो कि फिल्म, वैज्ञानिक फिल्म, शिक्षा संबंधी फिल्म, समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म, डाकुमेंटरी फिल्म या देशी फिल्म के रूप में स्वीकृत करने के लिए उपयुक्त है तो बोर्ड के श्रष्ट्यक्ष बोर्ड की राय के अनुसार केन्द्रीय सरकार को सिफारिश करेंगे।
 - (ख) यदि बोर्ड की राय नियम 11 के खंड (ख) या खंड (ग) के अनुसार हो तो फिल्म सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष आवेदक को बोर्ड की राय लिखित में सूचित करेंगे और वह तिथि निर्धारित करेंगे जो ऐसी सूचना देने वाले पन्न की तारीख से सात दिन के बाद की नहीं होगी। आवेदक यदि चाहे तो उस तिथि तक बोर्ड की राय के विरुद्ध प्रत्यावेदन भेज सकता है।
 - (ग) इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख के निकल जाने या प्रत्यावेदन के प्राप्त होने पर, फिल्म सलाहकार बोर्ड के श्रष्टयक्ष बोर्ड की राय के श्रनुसार केन्द्रीय सरकार को सिफारिश करेंगे श्रीर श्रावेदक के प्रत्यावेदन को केन्द्रीय सरकार को भेंजेंगे।
 - (घ) यदि आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट कांट-छांट या उपान्तरण करने के लिए सहमत हो जायेगा तो फिल्म सलाहकार बोर्ड के भ्रष्टयक्ष यह तसल्ली कर लेने के बाद कि ऐसी कांट-छांट या रूपान्तरण कर लिए गए हैं, बोर्ड की सिफारिश केन्द्र सरकार को भेजेंगे।
- 14. (क) बोर्ड की सिफारिश प्राप्त होने पर, केन्द्रीय सरकार, यदि नियम 13 के उप-नियम (ख) के ग्रन्तर्गत कोई प्रत्याबेदन किया गया हो तो उस पर विचार करने श्रीर

ऐसी पूछताछ करने के बाद जो वह जरूरी समझे, फिल्म को नियम 1 में विनिर्दिष्ट किसी भी श्रेणी में उपयुक्त फिल्म के रूप में स्वीकार कर सकती है या मामले में ऐसे ग्रादेश पास कर सकती है जो वह उपयुक्त समझे।

- (ख) उपयुक्त नियमों में किसी बात के होते हुए भी, केन्द्रीय सरकार, फिल्म साहकार बोर्ड से सलाह किए बिना किसी भी फिल्म को नियम 1 में विनिर्दिष्ट किसी भी श्रेणी में शामिल करने के लिए उपयुक्त फिल्म के रूप में स्वीकार कर सकती है।
- 15. नियम-1 में विनिदिस किसी भी श्रेणी में केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकृत फिल्में भारत के राजपत्न में ग्रधिस्चित की जायेंगी ग्रौर साथ में ग्रावेदक का नाम, फिल्म का नाम, निर्माता का नाम, फिल्म जिस रूप में स्वीकृत दुई है उस रूप में उत्तकी लम्बाई ग्रौर उत्तकी श्रेणी भी दी जायेगी।

एम० एम० मुरशेद, संयुक्त सचिव

निर्माण ग्रौर ग्रावास मंत्रालय नई दिल्ली, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1975 संकल्प

विषय— छोटे तथा मध्यम दर्जे के ग्रहरों तथा नगरों की श्रायोजना तथा विष्ठास पर विचार करने के लिये कार्यकारी दल (टास्क फोर्स) की नियुक्ति।

सं० के०-14011/45/75-न० वि०-II—मिनयोजित महरी विकास की समस्याम्रों, विभोषकर छोटे तथा मध्यम दर्जे के नगरों में तथा ऐसे नगरों के स्थानीय प्रशासनों तथा नगरीय विकास सम्बन्धी वर्तमान कानूनों की समीक्षा करने की भ्रावण्यकता पर भारत सरकार विचार करती रही हैं। भ्रतः, छोटे तथा मध्यम दर्जे के महरों तथा नगरों की भ्रायोजना तथा विकास के विभिन्न पहलुम्रों पर विचार करने के लिए एक कार्यकारी दल (टास्क फोर्स) की नियुक्ति करने का निर्णय किय गया है। कार्यकारी दल (टास्क फोर्स) के निम्नलिखित सदस्य होंगे:——

 फो० विजीत घोष,
 म्रायोजना तथा वास्तु भिल्प स्कूल, नई दिस्ली ।

संयोजक

प्रो० देव राज,
भूतपूर्व निदेशक,
नगरीय ग्रध्ययन केन्द्र,
भारतीय लोक प्रशासन संस्थान,
नई दिल्ली।

सदस्य

प्रो० गिरिजापित मुखर्जी,
भूतपूर्व प्रध्यक्ष,
नगर तथा ग्राम म्रायोजना संगठन,
नई दिल्ली

4. श्री श्रार० गोपालस्वामी, संयुक्त सचिव, निर्माण ग्रीर ग्रावास मन्त्रालय श्रीर ग्रध्यक्ष नगर तथा ग्राम श्रायोजना संगठन, नई दिल्ली।

सदस्य

- कार्यकारी दल के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होगे :--
- (क) ब्राजादी के बाद से नगरों तथा शहरों के विकास की पद्धति का सामान्य मूल्यांकन करना ।
- (ख) स्थानीय प्रणासनों तथा नगरीय विकास सम्बन्धी कानूनों पर विवार करना तथा छोटे और मध्यम दर्जे के नगरों के यायोजित विकास में सहायता करने की प्रावश्यकता को दृष्टि में रखते हुए इन कानूनों में समोचित संशोधन करने के सुझाव देना।
- (ग) जोन बनाने, सेट बैकों, भवन नियन्त्रण सम्बन्धी मामलों तथा ऐसे श्रन्य सम्बन्धित मामलों के विषय में मार्ग-निदेशन तथा विनियमन बनाना।
- नगर तथा ग्राम श्रायोजना संगठन, नई दिल्ली ग्रावश्यक लिपिकीय तथा तकनीकी सहायता उपलब्ध करेगा ।
- 4. कार्यकारी दल से अनुरोध है कि वह अपनी रिपोर्ट छ: महीनों के अन्दर दें।

ग्रादेश

ग्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि भारत सरकार के सभी मन्त्रालयों तथा राज्य सरकारों भ्रौर संघ राज्य क्षेत्रों ग्रादि को भेज दी जाए। यह भी ग्रादेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य सूचनार्थ भारत के राजपत्न में प्रकाणित किया जाए।

> वी० भ्रार० भ्रय्यर, भ्रवर सचिव

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रम्तूबर 1975

सं० गीं०-18025/14/75-फैंक०—भारत सरकार की अधिसूचना संख्या 2/11/70-फैंक०, दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1970 का संगोधन करने हुए, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् के नियमों श्रोर विनियमों के नियम 7 (ख) के अन्तर्गत लेफ्टिनेन्ट जनरल के० एस० गरेवाल को इसके द्वारा श्री बागल राम तुलपुले, जिन्होंने इस्तीका वे दिया है, के स्थान पर उक्त परिषद् के शासी बोर्ड के चेयरमैन होने के लिए नामित किया जाता है।

हंस राज छाबड़ा, उप सचिव

सदस्य

नई दिल्ली, दिनाक 10 अक्तूबर 1975

स० वयू-16011/1/72-डब्ल्यु० ई०---केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों श्रीर विनियमों के नियम 4 (1V) और (vi) के साथ पढ़े गए नियम 3(ख) के अनुसरण में भारत सरकार इसके द्वारा प्रो० वी० बी० सिह, अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ को इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री एस० एन० रानाई के स्थान पर कन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के एक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

2. तदनुसार, 20 दिसम्बर 1958/29 अप्रहायण, 1880 के भारत क राजपत्न के भाग प्रखण्ड 1 में प्रकाशित श्रम श्रीर रोजगार मत्नालय का, समय-समय पर यथा संगोधित श्रीधसूचना सख्या ई० एण्ड पी० 4(24)/58, दिनांक 12 दिसम्बर, 1958 में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएगे:---

वर्तमान प्रविष्टः :--
"13. श्री एस० एन० रानाडे,

निदेशक, दिल्ली समाजकाय विद्यालय,
दिल्ली।"

के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी :--
"13. प्रोफेसर बी० बी० सिह,
ग्रथंगास्त्र विभाग,
लखनऊ विश्वविद्यालय,
लखनऊ"

्जे० सी० सक्सेना, श्रवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

CONTRACTOR OF THE STREET OF TH

(COMPANY LAW BOARD)

New Delhi-1, the 18th October 1975

ORDER

No. 7(11)//5-CL.II.—In pursuance of sub-clause (ii) of Clause (i) of Section 209A of the Companies Act, 1956 (I or 1956), the Company Law Board hereby authorises the following Officers of the Government of India, in the Department of Company Affairs, for the purposes of the said section 209A:—

- Shri S. S. Seth, Inspecting Officer, Company Law Board, Kanpur.
- 2. Shri C. R. Mehta, Deputy Director, Inspection, Company Law Board, New Delhi.
- 2. The Company Law Board hereby revokes the authorisation earlier issued in favour of Shri S. S. Seth vide the Ministry of Law, Department of Company Affairs Order No. 51/1/65-CL.II, dated the 7th February, 1966 as modified by the Order No. 51/1/65-CL.II, dated the 7th March, 1967.
- 3. The Company Law Board further revokes the authorisation earlier issued in favour of Shri C. R. Mehta, vide the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs, Department of Company Affairs Order No. 53/1/70-CL.II, dated the 25th February, 1970.

T. S. SRINIVASAN

Joint Director of Inspection and Ex-Officio Deputy Secretary to the Company Law Board,

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCAST-ING

New Delhi, the 12th September 1975

RESOLUTION

No. 6/10/75-F (P).—In supersession of the Resolution of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. 1/29/58-F (P), dated the 5th February, 1959, the following rules are notified in regard to the working of the Film Advisory Boards at Bombay, Calcutta and Madras for the purpose of approval of films as scientific films, films in-

tended for educational purposes, films dealing with news and current events, documentary films or indigenous films in accordance with the directions issued by the Central Government under sub-section (4) of Section 12 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) and by the various State Government under the corresponding State Laws. These rules shall come into force with immediate effect.

RULES

- 1. There shall be three Film Advisory Boards one cach in Bombay, Calcutta and Madras. The functions of each of the Film Advisory Board shall be to make recommendations to the Central Government regarding the suitability of films for approval as scientific films, films intended for educational purposes, films dealing with news and current events, documentary films or indigenous films in accordance with the directions issued by the Central Government under sub-section (4) of Section 12 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) and by the State Governments under the corresponding State Laws.
- 2. Each Board shall consist of not less than seven members as follows:—
 - (a) Chairman, Board of Film Censors or any member of the Board of Film Censors nominated by him shall be the Chairman till the enforcement of the Cinematograph (Amendment) Act, 1974. After implementation of the Act, a whole time member of the Board of Film Censors nominated by the Chairman shall be the Chairman of the Board.
 - (b) Regional Officer of the Board of Film Censors and a member of the Advisory Panel of the Board of Film Censors at each Centre till the enforcement of the Cinematograph (Amendment) Act 1974. After the implementation of the Act, two assessors of the Board of Film Censors nominated by the Central Government.
 - (c) Not less than four other members including at least one person with knowledge of films and film making and one educationist, nominated by the Central Government. The Regional Officer of the Board of Film Censors at each Centre shall be the Secretary of the Board.

EXPLANATION: The Additional Regional Officer or the Asstt. R. O. CBFC shall act as Secretary to the Board when the R. O. does not attend.

- 3. Members other than ex-officio shall hold office for a period of two years.
- 4. Notwithstanding anything contained in rule 3, the Central Government may at any time terminate the membership of any member of the Board before the expiration of the period specified in that rule.
- 5. The non-official members of the Board may be paid such travelling allowance for attending meetings of the boards as the Central Government may, from time to time, determine.
- 6. No act or proceeding of the Board shall be called in question on the ground merely of the existance of any vacancy in or defect in the constitution of the Board.
- 7. Meetings of the Board shall be presided over by the Chairman, and, in his absence, by a member elected by the members present from amongst themselves.
 - 8. The quorum of the Board shall be three.
- 9. The Board shall ordinarily meet once a week but a meeting of the Board may be called by the Chairman as often as he considers necessary.
- 10. Any person desiring the Board to consider the suitability of any film for the purpose specified in rule 1 shall send an application in writing to the Secretary of the Board stating the title of the film, its length, the name of the producer and such other particulars as may be required by the Board.

Films with lengths exceeding 608 metres in 35 mm shall not be entertained by the Board for the purpose of these rules.

- 11. After examination of the film by the Board, the opinion of each member present shall be recorded as to whether:—
 - (a) the film is suitable for approval as a scientific film, a film intended for educational purposes, a film dealing with news and current events, a documentary film or an indigenous film; or
 - (b) the film would be suitable for approval in any specific category on carrying out specified excisions or modifications therein; or
 - (c) the film is not suitable for approval as a film in any of the said categories.
- 12. The opinion of the Board shall be in accordance with the opinion of the majority of the members present at the meeting and, in the event of a tie, in accordance with the opinion of the presiding officer.
- 13. (a) If the opinion of the Board is that the film is suitable for approval as a scientific film, a film intended for educational purposes, a film dealing with news and current events or a documentary film or an indigenous film, the Chairman of the Film Advisory Board shall make a recommendation to the Central Government in accordance with the opinion of the Board.

- (b) If the opinion of the Board is as in clause (b) of Clause (c) of rule 11, the Chairman of the Film Advisory Board shall communicate the opinion of the Board to the applicant in writing and specify a date, not later than seven days from such communication, within which he may, if he so desires, make a representation against the opinion of the Board.
- (c) On expiry of the date so specified or on receipt of the representation, the Chairman of the Film Advisory Board shall make a recommendation to the Central Government in accordance with the opinion of the Board and forward the representation made by the applicant, to the Central Government.
- (d) If the applicant agrees to carry out the excisions or modifications specified by the Board, the Chairman of Film Advisory Board shall, after satisfying himself that such excisions or modifications are carried out, forward the recommendation of the Board to the Central Government.
- 14. (a) On receipt of the recommendation of the Board, the Central Government may, after considering the representation, if any, made under sub-rule (b) of rule 43 and such enquiry as it may consider necessary approve the film as suitable in any category specified in rule I or pass such orders in the matter as it deems fit.
- (b) Notwithstanding any thing contained in the above rules, the Central Government may, without consulting the Film Advisory Board approve any film as suitable for inclusion in any category specified in rule 1.
- 15. Films approved by the Central Government in any of the category specified in rule 1 shall be notified in the Gazette of India, together with the name of the applicant, the title of the film, the name of the producer and the length of the film as approved and its category.

S. M. MURSHED, Jt. Secy.

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

SUBJECT:—Appointment of a Task Force to examine the Planning and Development of small and medium sized cities and towns.

New Delhi, the 15th October 1975

RESOLUTION

No. K.14011/45/75-UD.II.—The problems of unplanned urban growth, particularly in small and medium towns, and the need to review the existing laws relating to local administration and urban development in such towns have been engaging the attention of Government. It has, therefore, been decided to appoint a Task Force to go into the various aspects of planning and development of small and medium sized cities and towns. The Task Force will consist of the following:—

 Prof. Bijit Ghosh, School of Planning and Architecture, New Delhi.

Convencr

2. Prof. Deva Raj, Former Director, Centre of Urban Studies. Indian Institute of Public Administration, New Delhi.

Member Member

3. Prof. Girijapati Mukherji, Former Chairman, Town and Country Planning Organisation, New Delhi.

Member 4. Shri R. Gopalaswamy, Joint Secretary, Ministry of Works and Housing and Chairman, Town and Country Planning Organisation, New Delhi.

- 2. The terms of reference of the Task Force will be the following:---
 - (a) To generally assess the pattern of evolution of towns and cities since Independence.
 - (b) To examine laws relating to local administration and urban development and to suggest suitable modifications to these laws, keeping in view the need to assist in the planned growth of small and medium towns.
 - (c) To formulate guidelines and regulations relating to matters such as zoning, setbacks, building control and such other relevant matters.
- 3. The Town and Country Planning Organisation, New Delhi, will provide necessary secretarial and technical assistance.
- 4. The Task Force is requested to submit its report within six months.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all Ministrics of the Government of India and all State Governments and Union Territories etc.

ORDERFD also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information,

V. R. IYER, Under Secv.

New Delhi, the 10th Octber 1975

No. Q-16011/1/72-WE.—In pursuance of Rule 3(b) read with Rules 4(iv) and (vi) of the Rules and Regulations of the Central Board for Workers' Education, the Government of India hereby appoints Prof. V. B. Singh, Department of Economics, Lucknow University, Lucknow as a Member of the Central Board for Workers' Education, in place of Shri S. N. Ranade of University of Delhi, with effect from the date of issue of this Notification.

2. The following changes shall be made accordingly in the Ministry of Labour and Employment Notification No. E&P-4(24)/58 dated the 12th December, 1958, published in the Gazette of India Part I Section 1, dated December 20, 1958/ Agrahayana 29, 1880 as amended from time to time.

For the existing entry:

"13. Shri S. N. Ranade, Director, Delhi School of Social Work, Delhi."

the following entry shall be substituted.

"13. Prof. V. B. Singh, Department of Economics. Lucknow University, Lucknow."

J. C. SAXENA. Under Secv.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd October 1975

No. V-18025/14/75-FAC.—In modification of the Government of India's notification No. 2/11/70-FAC dated the 31st October, 1970, Lieutenant General K. S. Garewal is hereby nominated under Rule 7(b) of the Rules and Regulations of the National Council, to be the Chairman of the Board of Governors of the said Council, vice Shri Bagaram Tulpule, resigned.

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.